भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2564
जिसका उत्तर 11 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।
20अग्रहायण, 1946 (शक)

डिजिटल इंडिया पहल

2564.श्री एस. जगतरक्षकनः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि डिजिटल इंडिया पहल ने इंटरनेट की पहुंच को त्वरित कर दिया है और महत्वपूर्ण निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा दिया है, जिससे एसईओ, विषयवस्तु-सृजन, सोशल मीडिया रणनीति और डेटा-विश्लेषण में कुशल पेशेवरों की अत्यधिक मांग बढ़ी है; और
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख):डिजिटलइंडियापहलद्वारा इंटरनेटकीपहुंचमेंकाफीतेज़ी आई हैऔरइसने भारतमेंविकासकोगतिदीहै। भारतसरकारनेडिजिटलअभिगम, डिजिटलसमावेशनऔरडिजिटलसशक्तिकरणसुनिश्चितकरनेकेलिएवर्ष 2015 मेंडिजिटलइंडियाकार्यक्रमशुरूकियाथा।
समग्रलक्ष्ययहसुनिश्चितकरनाहैकिडिजिटलप्रौद्योगिकियांप्रत्येकनागरिककेजीवनमेंसुधारकरें, भारतकीडिजिटलअर्थव्यवस्थाकाविस्तारकरेंऔरभारतमेंनिवेशऔररोजगारकेअवसरपैदाकरें।

डिजिटलइंडियानेभारतनेटजैसीपहलकेमाध्यमसेइंटरनेटअभिगमकेतेजीसेविस्तारमेंयोगदानदियाहै, जिसकाउद्देश्यग्रामीणऔरदूरदराजकेक्षेत्रोंमेंतीव्र-गतिसे इंटरनेटउपलब्ध कराना है। नतीजतन, देशभरमेंइंटरनेटकीपहुंचऔरउपयोगमेंपर्याप्तवृद्धिहुईहै,
औरपिछलेदशकमेंभारतमेंइंटरनेटकीपहुंचनाटकीयरूपसेबढ़ीहै। हालकेआँकड़ोंकेअनुसार, भारत 94 करोड़सेअधिकइंटरनेटउपयोगकर्त्ताओंकेसाथदुनियाकेसबसेबड़ेइंटरनेटबाज़ारोंमेंसेएकहै (स्रोत: टेलीकॉमसब्सक्रिप्शनरिपोर्टदिनांक 21 नवंबर, 2024)।

इंटरनेटकीपहुंचमेंवृद्धिनेनिजीक्षेत्रमेंमहत्वपूर्णवृद्धिकीहै। इसने ई-कॉमर्स, शिक्षा, स्वास्थ्य, सोशलमीडिया, डिजिटलमीडिया, फिनटेक, मनोरंजनऔरअन्यडिजिटलव्यवसायोंकेउदयकीसुविधाप्रदानकीहै। डिजिटलपरिवर्तननेआर्टिफिशियलइंटेलिजेंस (एआई), डेटाएनालिटिक्स, साइबरसुरक्षा, एसईओ (सर्चइंजनऑप्टिमाइजेशन, कंटेंटक्रिएशन, सोशलमीडियास्ट्रैटेजी, आदि) जैसेविभिन्नक्षेत्रोंमेंपेशेवरोंकीमांगपैदाकीहै।

उद्योगकौशलअंतरकोपाटनेकेलिए, इलेक्ट्रॉनिकी औरसूचनाप्रौद्योगिकीमंत्रालय (एमईआईटीवाई) नेनेशनलएसोसिएशनऑफसॉफ्टवेयरएंडसर्विसकंपनीज (नैसकॉम) केसाथसंयुक्तरूपसे "फ्यूचरस्किल्सप्राइम" नामकएककार्यक्रमशुरूकियाहै, जिसकाउद्देश्यनई/उभरतीप्रौद्योगिकियों, जैसेआर्टिफिशियलइंटेलिजेंस, रोबोटिकप्रोसेसऑटोमेशन, ऑगमेंटेड/वर्चुअलरियलिटी, इंटरनेटऑफथिंग्स, बिगडेटाएनालिटिक्स, एडिटिवमैन्युफैक्चरिंग/3डी प्रिंटिंग, क्लाउडकंप्यूटिंग, सामाजिकऔरमोबाइल, साइबरसुरक्षाऔरब्लॉकचेनमेंउम्मीदवारकापुन: कौशलन/ कौशल उन्नयन करनाहै । फ्यूचरस्किल्सप्राइमडिजिटलकौशलप्रशिक्षणकेलिएएकऑनलाइनमंचकेरूपमेंउपलब्धहै, जिसेhttps://futureskillsprime.in/पर होस्टकियाजाताहै। इसप्लेटफॉर्मपर, उम्मीदवारोंकोउनकीयोग्यताऔरआकांक्षाओंकेअनुरूपकभीभी, कहींभीसीखनेकीसुविधाकेलिएप्रीमियमसामग्रीउपलब्धकराईजातीहै। फ्यूचरस्किल्सप्राइमकार्यक्रमकेतहत, प्लेटफॉर्मपर 500+ सेअधिकपाठ्यक्रमपेशकिएगएहैं; और, 19.8 लाखसेअधिकशिक्षार्थियोंनेप्लेटफॉर्मपरसाइनअप किया है औरइनउभरतीप्रौद्योगिकियोंकेबारेमेंसीखरहेहैं। इनमेंसे 8.55 लाखउम्मीदवारोंनेविभिन्नपाठ्यक्रमोंमेंनामांकन किया/प्रशिक्षणप्राप्तकियाहै।

****